भूमिगत रेलमार्ग

क्या आप उन्हें भागने में मदद करते?



ऐलेन लैंडौ

भूमिगत रेलमार्ग

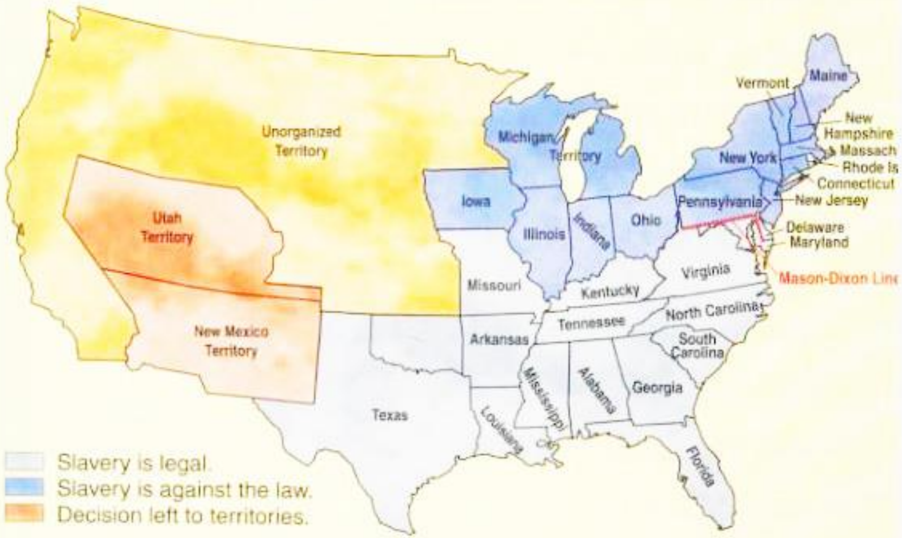
क्या आप उन्हें भागने में मदद करते?



ऐलेन लैंडौ

विषयवस्तु

गुलाम किसके पास थे?



-गुलामी, कानूनी थी.
-गुलामी कानून के खिलाफ थी.
-वो निर्णय प्रदेशों पर छोड़ा गया था.

1800 के दशक की शुरुआत तक, पेन्सिलवेनिया और मैरीलैंड की सीमा के उत्तर के सभी राज्यों में, दासता को समाप्त कर दिया गया था. दक्षिण के गुलाम मालिकों और उत्तर के उन्मूलनवादियों के बीच झगडे बढ़ते जा रहे थे.

स्वतंत्र लोगों का देश

संयुक्त राज्य अमरीका. आज यह देश आजादी के लिए खड़ा है. लेकिन हमेशा ऐसा नहीं था. 1600 के दशक से 1865 तक, देश के कुछ हिस्सों में गुलामी कानूनी तौर पर सही थी.

अधिकांश दासों का जीवन क्रूर था. कई लोग सुबह से लेकर सूरज ढलने तक खेतों में खटते थे, जो अक्सर पीठ तोड़ने वाला काम होता था. धीमा काम करने वाले गुलामों को, बतौर सजा कोड़े मारे जाते थे. अधिकांश दासों के पास खाने और पहनने के लिए बहुत कम होता था. वे अक्सर टूटी-फूटी झोंपड़ियों में रहते थे. उनके घर सर्दियों में एकदम ठंडे और गर्मियों में तपते थे.

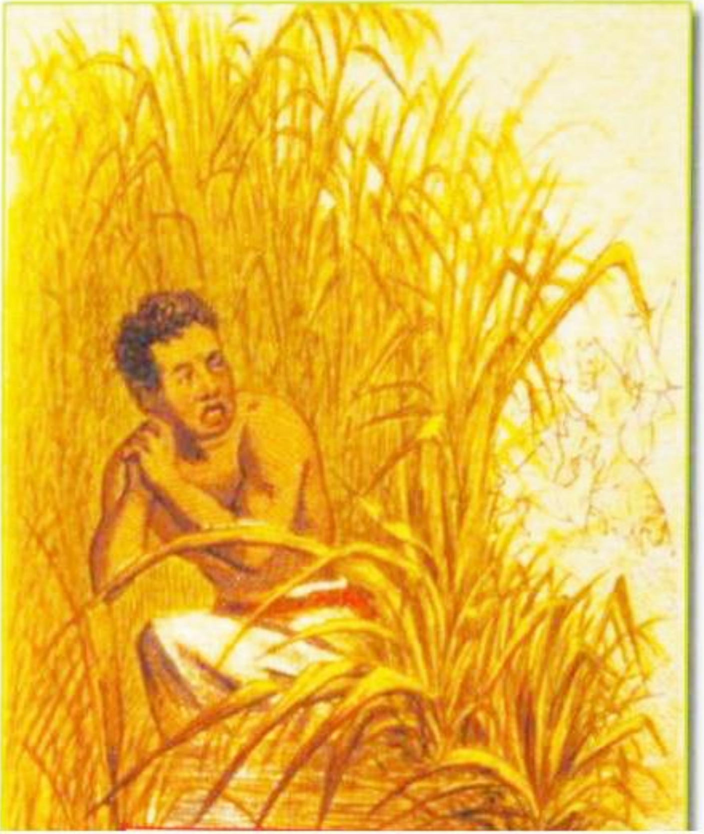


मारने के निशान.
पिटाई के दौरान गुलाम अक्सर मर भी जाते थे.



गर्दन के छल्ले का इस्तेमाल, भागने की
सजा के रूप में किया जाता था.

कई दासों के लिए भागने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था. अकेले भागना कठिन और खतरनाक था. मालिकों ने भगोड़े दासों को पकड़ने के लिए गुलाम पकड़ने वाले सिपाहियों को काम पर रखा था. वे भगोड़ों का शिकार करने के लिए कुत्तों का इस्तेमाल करते थे. पकड़े हुए दास, दूसरों के लिए एक उदाहरण बनें, इसलिए उन्हें बड़ी बेरहमी से सजा दी जाती थी. उन्हें मार-मारकर अधमरा कर दिया जाता था, या बहुत प्रताड़ित किया जाता था. कभी-कभी, उन्हें भारी जंजीरों में बांध दिया जाता था. उन्हें गर्म लोहे से भी दागा जाता था. मालिक, भगोड़े गुलामों के शरीर पर गर्म लोहे से "आर" (R) अक्षर दागते थे.



गुलाम शिकारी, गुलामों का पीछा करने के लिए अक्सर "ब्लडहाउंड" कुत्तों का इस्तेमाल करते थे.

आप क्या करते?

अगर आप गुलाम होते तो आप क्या करते?

क्या आप भागने की कोशिश करते?
आप कहाँ भागते?

या...

आप जहां पर रहते थे, वहीं पर रहते?
किसी की मदद के बिना भागना, गुलामी से भी ज्यादा घातक हो सकता था.

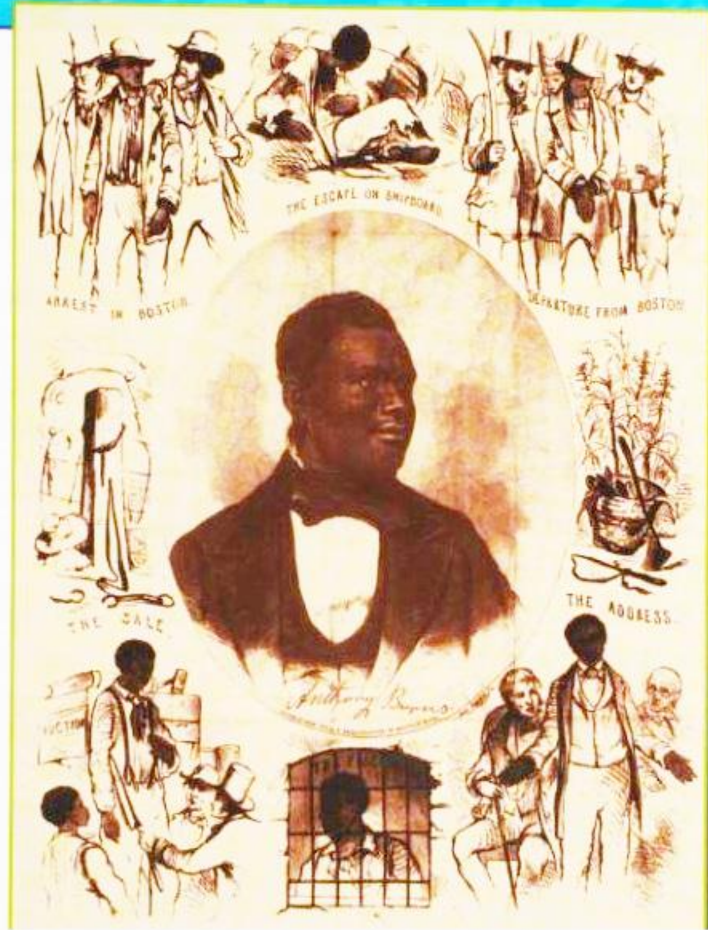
असल में क्या हुआ.....

एक और विकल्प की खोज

कुछ दास अकेले भागे. उन्होंने सही मौका खोजा और फिर भाग निकले. समय के साथ, अन्य गुलामों ने एक और विकल्प के सीखा. उसे भूमिगत रेलमार्ग (अंडरग्राउंड रेलवे) के नाम से जाना जाता था.

भूमिगत रेलमार्ग वास्तविक कोई रेलमार्ग नहीं था. और वो भूमिगत (अंडरग्राउंड) भी नहीं था. वो एक-साथ काम करने वाले लोगों का एक गुप्त नेटवर्क था. उसका लक्ष्य गुलामों को, उनकी आजादी के लिए भागने में मदद करना था.

अंडरग्राउंड रेलमार्ग उन लोगों द्वारा चलाया जाता था जो गुलामी के खिलाफ थे. इनमें से कुछ लोगों को उन्मूलनवादी (अबोलोशनिस्ट) कहा जाता था. वे गुलामी को गैरकानूनी मानते थे और उसका "उन्मूलन" करना चाहते थे. अंडरग्राउंड रेलरोड पर काम करने वाले लोग, गुलामों को भागने में मदद करने के लिए कानून तोड़ने को तैयार थे. अक्सर, वे रात के अँधेरे में गुलामों को भागने में मदद करते थे.



1850 के भगोड़े दास अधिनियम के तहत एंथनी बर्न्स की गिरफ्तारी हुई और उसपर मुकदमा चला. उसकी प्रतिक्रिया में, 1854 में, बोस्टन के उन्मूलनवादियों और नागरिकों ने विरोध किया और धरने दिए. चौबीस वर्षीय बर्न्स का एक चित्र उनके जीवन को दर्शाता है.

उन्मूलनवादी अपने घरों और खलिहान में, भगोड़ों को छिपाते थे. उसके बाद कुछ भगोड़े दास भी, भूमिगत रेलमार्ग के साथ काम करने लगे. अन्य गुलामों को बाहर ले जाने के लिए उन्होंने वापस दक्षिण में आने का जोखिम उठाया था. वे विशेष रूप से सहायक थे क्योंकि वे उस इलाके और वहां की ज़मीन को अच्छी तरह से जानते थे.

गुलाम मालिकों को भूमिगत रेलमार्ग से नफरत थी. उन्होंने उसे रोकने के लिए जो कुछ भी संभव था वो किया. 1793 के भगोड़े दास क़ानून ने, दासों को भागने में मदद करना अवैध बना दिया. बाद में, 1850 का भगोड़ा दास कानून पारित किया गया. इसने पिछले कानून को और कड़ा बनाया. गुलाम मालिकों ने, भूमिगत रेलकर्मियों को गिरफ्तार करने और उन्हें सजा देने की कोशिश की. उन्होंने भूमिगत रेलकर्मियों को गिरफ्तार करने के लिए बड़े पुरस्कारों का भी ऐलान किया.

ये लोग अंडरग्राउंड रेलरोड के एक "स्टॉप" पर गुलामों को भगाने में मदद कर रहे हैं.



अक्सर दक्षिण की अदालतें भूमिगत रेलकर्मियों पर बड़ा जुर्माना लगाती थीं. अधिकांश भूमिगत रेलकर्मी अमीर नहीं थे. वो बहुत बड़ा जुर्माना देने में असमर्थ थे.

कई बार गुलाम मालिक मामलों को अपने हाथों में लेते थे. वे भूमिगत रेलकर्मियों के साथ मारपीट करते थे और उनकी संपत्ति को नष्ट करते थे. गुलाम मालिक, उन्हें दक्षिण से बाहर खदेड़ने की भी कोशिश करते थे.

आप क्या करते?

क्या आपमें भूमिगत रेलमार्ग पर काम करने का साहस होता?

या...

क्या आप भूमिगत रेलमार्ग पर काम करना जारी रखते? क्या आप किसी अन्य तरीके से भूमिगत रेलमार्ग की मदद करते? क्या आप उनके काम के लिए पैसे देते? आप अपने कांग्रेसी नेता से उन कानूनों को बदलने के लिए कहते जिन्होने गुलामी की अनुमति दी थी.

असल में क्या हुआ.....

यात्रा करने का अद्भुत तरीका!

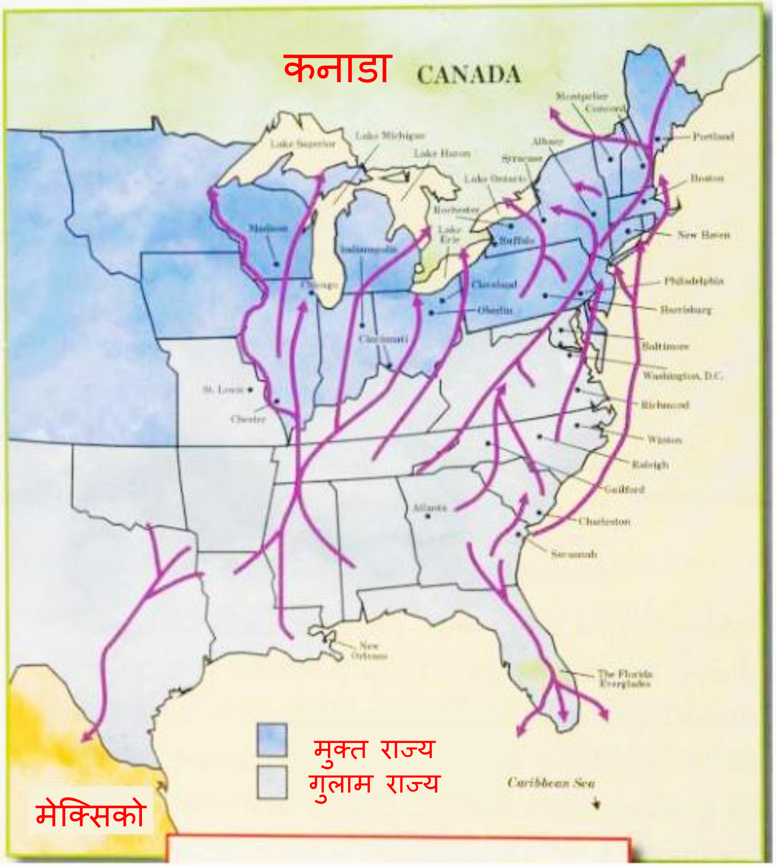
बहुत से लोगों ने भूमिगत रेलमार्ग में मदद की. उन्होंने कई तरीकों से यह काम किया. उस काम के बहुत से लोगों की जरूरत थी. भूमिगत रेलमार्ग काफी बड़ा नेटवर्क था. कुछ लोग ओहियो नदी के पार वर्जीनिया और केंटकी ले जाकर गुलामों को स्वतंत्रता दिलाते थे. अन्य लोग मैरीलैंड से पेंसिल्वेनिया, न्यूयॉर्क और न्यू इंग्लैंड राज्यों के माध्यम से चलकर स्वतंत्रता प्राप्त करते थे. कनाडा में गुलामी की अनुमति नहीं थी. इसलिए अंडरग्राउंड रेलरोड गुलामों को, कनाडा भागने में भी मदद करता था.

भूमिगत रेलमार्ग पर उपयोग की जाने वाले "शब्द" कुछ-कुछ असली रेलमार्ग पर उपयोग की जाने वाले "शब्दों" की तरह ही होते थे. रास्ते में "स्टॉप" को "स्टेशन" कहा जाता था.



ये गुलाम रात में, मैरीलैंड के पूर्वी तट से भागे थे.

ये "स्टेशन" उन्मूलनवादी लोगों के घर, खलिहान और शेड थे. वे दिन में वहाँ पर गुलामों को छिपाते थे. इनमें से कुछ स्थानों पर विशेष तहखाने बनाए गए थे. इन तहखानों में गुलामों को छिपने में आसानी होती थी. विभिन्न स्टेशनों का "स्वामित्व" अंडरग्राउंड रेलरोड एजेंटों के पास होता था. जब गुलाम स्टेशनों पर होते तब एजेंट उन दासों को खाना खिलाते और उनकी देखभाल करते थे. भूमिगत रेलमार्ग में "कंडक्टर" भी होते थे. वे एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक गुलाम भगोड़ों को लेकर जाते थे और उनका नेतृत्व करते थे.



भूमिगत रेलमार्ग के अधिकांश मार्ग
उत्तरी राज्यों या कनाडा तक जाते थे.

आप क्या करते?

यदि आप गुलाम होते और भागने के लिए तैयार होते, तो आप क्या करते?

क्या आप एक साहसी कदम उठाते और अपने आप अकेले भागने की कोशिश करते?

या...

फिर आप भूमिगत रेलमार्ग पर एक "स्टेशन" से दूसरे "स्टेशन" तक अन्य भगोड़े गुलामों लोगों के साथ यात्रा करने के मौके की प्रतीक्षा करते?

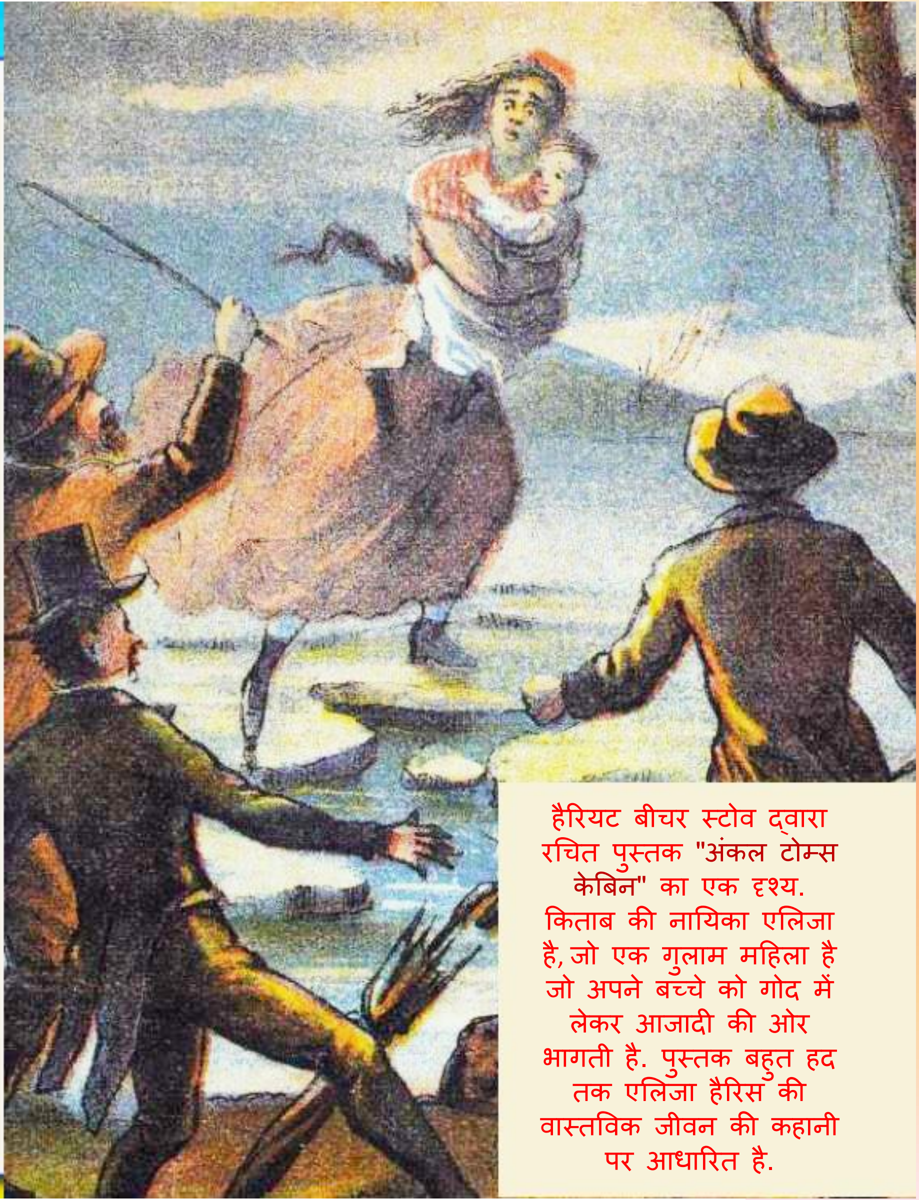
असल में क्या हुआ. . .

साहसिक बहादुरी

कई गुलामों ने खतरनाक और साहसिक पलायन किए. सबसे प्रसिद्ध पलायन एलिजा हैरिस का था. एलिजा हैरिस, केंटकी की एक गुलाम थी. उसने कोई भयानक समाचार सुना जिसमें उसे और उसके बच्चे को, अलग-अलग मालिकों को बेचा जाना था. एलिजा को तब लगा कि अब उसे भागना ही होगा.

उस साल बहुत कड़ाके की सर्दी थी. एलिजा को उम्मीद थी कि ओहियो नदी जम गई होगी. उसने अपने बच्चे को नदी पार ले जाने की योजना बनाई. लेकिन जब वह नदी के पास पहुंची, तो नदी, बर्फ बड़े-बड़े टुकड़ों में टूट चुकी थी.

सबसे पहले, एलिजा ने बर्फ के सख्त होने का इंतजार किया. एलिजा जानती थी कि उसके मालिक ने उसके पीछे दास पकड़नेवाले सिपाहियों को भेजा होगा. और अब तक, वे सिपाही उसके बहुत करीब पहुँच गए होंगे.



हैरियट बीचर स्टोव द्वारा रचित पुस्तक "अंकल टोम्स केबिन" का एक दृश्य. किताब की नायिका एलिजा है, जो एक गुलाम महिला है जो अपने बच्चे को गोद में लेकर आजादी की ओर भागती है. पुस्तक बहुत हद तक एलिजा हैरिस की वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित है.

ओहियो नदी में जमी हुई बर्फ.
उस नदी को वर्तमान में, और
एलिजा के काल दोनों में,
पार करना खतरनाक था.



जल्द ही गुलाम पकड़ने वालों ने एलिजा को देखा. एलिजा ने दौड़ने की कोशिश की. अपने बच्चे को कसकर पकड़कर, वो तैरती हुई नदी में तैरते बर्फ के एक बड़े टुकड़े पर कूद गई. वहां से, वो एक बर्फ के टुकड़े से दूसरे टुकड़े पर कूदती रही. उसे उम्मीद थी कि वो इस तरह से नदी पार कर जाएगी.

पर वो आसान नहीं था. कभी-कभी वो शरीर के भार से नीचे डूब जाती थी. जब ऐसा होता, तो उसे जल्दी से खुद को और अपने बच्चे को, तैरते बर्फ के दूसरे टुकड़े पर ले जाना पड़ता था.

वे बर्फीली नदी में मर भी सकते थे. लेकिन बहादुर एलिजा ने आखिर नदी पार कर ली. नदी के किनारे खड़ा एक आदमी वो सब देख रहा था. उसने एलिजा और उसके बच्चे को पानी से बाहर निकालने में मदद की. वहां से वो उन दोनों को अंडरग्राउंड रेलवे स्टेशन ले गया. वे उत्तर की ओर बढ़े. अंत में, उन्होंने एक झील पार की जो उन्हें कनाडा में स्वतंत्रता की ओर ले गई.

आप क्या करते?

यदि आप एलिजा की जगह होते, तो क्या आप बर्फीली नदी को पार करते हुए अपने बच्चे की जान को जोखिम में डालते?

या...

क्या आप सोचते कि गुलाम होना, जमी हुई नदी में डूबने से बेहतर था?

इसके अलावा, क्या आप नदी के किनारे खड़े उस अनजान आदमी पर मदद के लिए भरोसा करते?

लेवी कॉफिन पर भरोसा

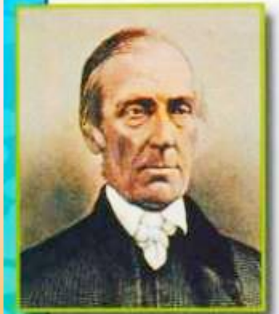
कई भगोड़े लोगों को उन लोगों पर भरोसा करने के लिए मजबूर होना पड़ा जिन्हें वे नहीं जानते थे. आप भूमिगत रेलमार्ग पर सभी को नहीं जान सकते थे. वो एक बहुत बड़ी और गुप्त व्यवस्था थी. फिर भी, रेलमार्ग से जुड़े कुछ लोग काफी प्रसिद्ध हो गए. ऐसे ही एक शख्स थे लेवी कॉफिन.

लेवी कॉफिन दक्षिण में पले-बढ़े, लेकिन वो गुलामी से नफरत करते थे. उनका पालन-पोषण एक क्वेकर के रूप में हुआ था. क्वेकर, गुलामी और हिंसा दोनों के खिलाफ थे.

जैसे-जैसे लेवी कॉफिन बड़ा हुआ, वो परिस्थितियों को बदलना चाहता था. 1826 में, वो और उसकी पत्नी इंडियाना चले गए, जहाँ वे एक व्यापारी बन गए. लेकिन उनका सबसे महत्वपूर्ण काम अंडरग्राउंड रेलरोड में एक एजेंट होना था.



इस लिफाफे पर 1891 की पेंटिंग में, लेवी और कैथरीन कॉफिन को भगोड़े दासों की मदद करते हुए दिखाया गया है. कॉफिन के एक दोस्त चार्ल्स वेबर द्वारा चित्रित वो पेंटिंग भूमिगत रेलमार्ग और उन्मूलनवादियों के काम को दर्शाता है.
कैथरीन कॉफिन बीच में एक छड़ी लिए हुए बुजुर्ग सज्जन के साथ खड़ी हैं, और उनका पति लेवी कॉफिन दाईं ओर गाड़ी पर ऊपर है.





पत्नी कैथरीन के साथ लेवी कॉफिन ने, मुक्त दासों द्वारा बनाए गए सामान की बिक्री के लिए एक स्टोर भी खोला.

बीस से अधिक वर्षों के लिए कॉफ़िन ने, अपने आठ कमरों वाले घर को एक भूमिगत रेलरोड स्टेशन में बदल दिया. वो भागने वालों के लिए एक सुरक्षित जगह के रूप में जाना जाने लगा. कई अलग-अलग भूमिगत रेलमार्गों के यात्रियों ने इसका इस्तेमाल किया.

लेवी कॉफिन ने इतने सारे गुलामों की मदद की कि उन्हें अंडरग्राउंड रेलरोड के अध्यक्ष के रूप में जाना जाने लगा. उनके घर को बाद में "ग्रैंड सेंट्रल स्टेशन" का उपनाम दिया गया. वो न्यूयॉर्क शहर के एक बहुत व्यस्त असली रेलवे स्टेशन का नाम था.

भगोड़े दास जानते थे कि वे दिन या रात में, किसी भी समय वहाँ जा सकते थे. वे खिड़की पर हल्के से खटखटाते थे और फिर लेवी कॉफिन उन्हें अंदर आने के लिए फुसफुसाते थे. हर कोई शांत स्वर में बोलता था. यह कोई नहीं जानता था कि बाहर कौन था.

गुलाम पकड़ने वाले अक्सर लोगों को बताते थे कि वे जा रहे थे. लेकिन फिर वे दूर से घर पर करीबी से अपनी निगाहें लगाए रखते थे.

बाद में, कॉफिन परिवार ओहियो चला गया. लेवी अभी भी भूमिगत रेलमार्ग पर सक्रिय रहे. 1854 में कॉफिन एक बैठक के लिए कनाडा गए. सैकड़ों पूर्व दास उन्हें धन्यवाद देने के लिए बाहर आए. लेवी कॉफिन ने बीस साल पहले तक उनमें से कई लोगों को आश्रय दिया था और खाना खिलाया था.

आप क्या करते?

क्या आप भूमिगत रेलमार्ग के लिए एक एजेंट के रूप में काम करते?

या...

आप और भी खतरनाक काम करते? क्या आप एक कंडक्टर बनते? तब आप स्वतंत्रता के लिए एक बहुत ही जोखिम भरे रास्ते पर चल रहे होते.

भूमिगत रेलमार्ग पर एक कंडक्टर

कई लोग अंडरग्राउंड रेलरोड पर कंडक्टर के रूप में काम करते थे. कंडक्टर होना विशेष रूप से खतरनाक था. कंडक्टर अक्सर दासों को सीधे दक्षिण से बाहर ले जाते थे. वो ऐसा कई तरह से करते थे. कभी-कभी वे सिर्फ पैदल ही चलते थे. कई बार वे ऐसी वैगन चलाते थे जिनके पेंदे में एक छिपा स्थान होता था. भगोड़े उसमें छिप जाते थे. कुछ कंडक्टर जहाज के कप्तान भी थे. वो भागे हुए दासों को, अपनी नावों में छिपाते थे.

सबसे प्रसिद्ध अंडरग्राउंड रेलरोड कंडक्टरों में हैरियट टबमैन नामक एक गुलाम थीं. टबमैन एक छोटे कद की महिला थीं जो 1820 के आसपास मैरीलैंड में, एक गुलाम के रूप में पैदा हुई थीं. उनका जीवन कड़ी मेहनत और दर्दनाक मार से भरा था.

टबमैन मुक्त होने के लिए तरस रही थीं. जब वो लगभग पच्चीस वर्ष की थी, तो उन्होंने भागने की कोशिश की. वो अपने दो भाइयों के साथ भागीं. लेकिन उनके भाई भयभीत हो गए और वापस चले गए. फिर टबमैन अकेले ही आगे गईं. दिन के समय में वो जंगली इलाकों में छिपती थीं.



भगोड़ी गुलाम हैरियट टबमैन को "मोसेस" का उपनाम दिया गया था, बाइबिल के हीरो की तरह वो भी अपने लोगों को स्वतंत्रता की ओर ले गईं.



टुबमैन अपने गुलामों को स्वतंत्रता की ओर ले जाने के लिए नॉर्थ स्टार (ध्रुव तारे) को गाइड के रूप में इस्तेमाल करती थीं.

रात में टबमैन ध्रुव तारे की सीध में यात्रा करती थीं. उत्तर की ओर जाने के लिए भगोड़े गुलाम, ध्रुव तारे का उपयोग करते थे. जल्द ही टूबमैन स्वतंत्रता की मंज़िल पर पहुंच गईं.

फिर टबमैन ने अंडरग्राउंड रेलरोड के साथ कंडक्टर जैसे काम करना शुरू किया. दस वर्षों में, वह उन्नीस बार दक्षिण लौटीं. उत्तर जाना आसान नहीं था.

कभी-कभी, टबमैन के गुलाम पीछे मुड़कर वापिस जाना चाहते थे लेकिन टबमैन उन्हें जाने नहीं देती थीं. वो एक पिस्तौल निकालती थीं और उनसे कहती थीं :
"देखो, आगे चलो, नहीं तो यहीं पर मरो!"

हैरियट टबमैन ने भूमिगत रेलमार्ग के ज़रिये 300 से अधिक गुलामों को आज़ादी दिलाई. अगर वो पकड़ी जातीं तो ज़रूर उनकी जान जाती. फिर भी वो हमेशा चलती ही रहीं और उन्होंने कभी भी अपना कोई गुलाम नहीं खोया!

आप क्या करते?

क्या आप भूमिगत रेलमार्ग पर कंडक्टर बनते?

या...

क्या आप गुलामों की मदद करने के लिए कोई कम खतरनाक तरीका चुनते? आप यात्रियों को स्वतंत्र इंसान के रूप में जीना कैसे सीखा सकते थे? अंडरग्राउंड रेलरोड ने वही काम किया.

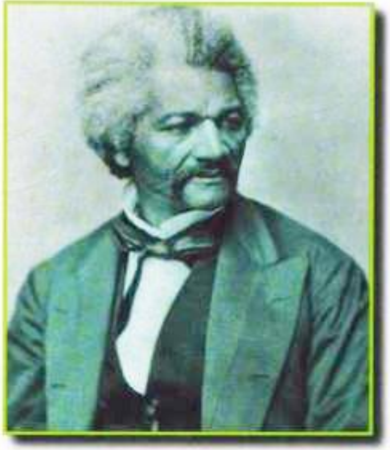
उनको जरूरत थी

भूमिगत रेलमार्ग ने उत्तर की ओर भागे हुए लोगों को बचाने के अलावा और भी बहुत कुछ किया. पूर्व गुलामों के रहने के लिए जगह खोजने के लिए उन्होंने कई समूह बनाए. उन्होंने गुलामों के लिए नौकरी भी ढूंढी.

फ्रेडरिक डगलस एक प्रसिद्ध भगोड़े थे जिनकी न्यूयॉर्क समिति ने मदद की थी. डगलस जल्द ही भूमिगत रेलमार्ग के साथ सक्रिय हो गए. वो एक प्रसिद्ध गुलामी-विरोधी वक्ता और लेखक भी बने. उनके शक्तिशाली शब्दों ने, कई लोगों के दिल और दिमाग को हिला दिया.

वैसे मदद करने के लिए आपको भूमिगत रेलमार्ग में काम करने की ज़रूरत नहीं थी. ऐसा ही एक शख्स था एलिजा लवजॉय नाम का अखबार का प्रकाशक.

फ्रेडरिक डगलस देश के प्रमुख अश्वेत उन्मूलनवादी थे. वो एक पूर्व गुलाम थे जो उत्तर की ओर भाग गए थे.



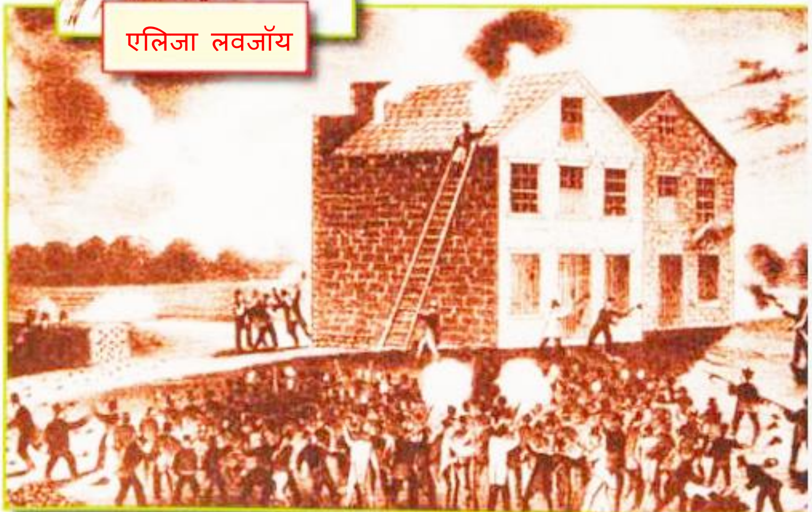
लवजॉय अक्सर गुलामी के खिलाफ और भूमिगत रेलमार्ग के बारे में लेख लिखते थे. गुलामों के मालिक लवजॉय को उनके धंधे से निकालना चाहते थे. गुलाम समर्थक भीड़ ने उनके प्रिंटिंग प्रेस को मिसिसिपी नदी में तीन बार फेंका.

7 नवंबर, 1837 को लवजॉय का चौथा प्रिंटिंग प्रेस आया. स्थानीय दास मालिकों को उसके बारे में पता चल गया. उन्होंने मांग की कि लवजॉय प्रेस उन्हें सौंप दें. लवजॉय ने ऐसा करने के मना किया. तभी ठगों के एक समूह ने उनके गोदाम पर हमला किया. गोलियां चलीं. लवजॉय गोलियों की चपेट में आए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई. भीड़ ने फिर भी उस मृत व्यक्ति के प्रिंटिंग प्रेस को नष्ट कर दिया. फिर उन्होंने उसके टुकड़ों को मिसिसिपी नदी में फेंक दिया.



एलिजा लवजॉय

एलिजा लवजॉय के अखबार "एल्टन ऑब्जर्वर" के दफ्तर के बाहर भीड़ जमा हो गई. भीड़ ने इमारत में आग लगा दी और लवजॉय की गोली मारकर हत्या कर दी.



आप क्या करते?

क्या आप, एलिजा लवजॉय की तरह, भूमिगत रेलमार्ग का समर्थन करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते?

या...

क्या आप वो जोखिम नहीं उठाते?

क्या आप अंडरग्राउंड रेलरोड में काम के लिए कानून का सामना करने, और जेल जाने को तैयार होते?

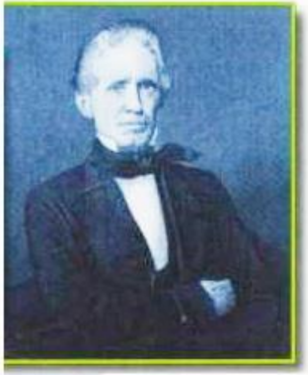
जब चीजें गलत हो गईं

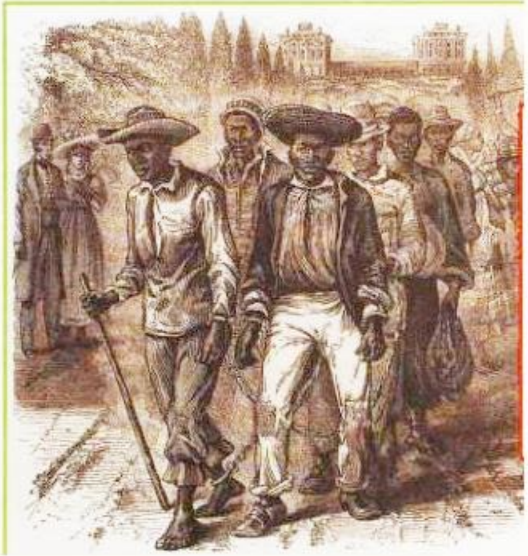
भूमिगत रेलकर्मियों और यात्रियों के लिए चीजें हमेशा अच्छी नहीं रहीं. कभी-कभी भूमिगत रेलमार्ग में पुलिस खोजबीन करती थी. पकड़े गए भगोड़े को उनके मालिकों को लौटा दिया जाता था. भूमिगत रेलकर्मियों को अक्सर कानून का सामना करने के लिए छोड़ दिया जाता था.

ऐसा ही 1847 में कैप्टन डेनियल ड्रेटन के जहाज के साथ हुआ. उन्होंने और एक अन्य जहाज के कप्तान ने, पानी के ज़रिये बड़े पैमाने पर गुलामों के भागने की योजना बनाई थी. वे वाशिंगटन, डी.सी. से 76 दासों को स्वतंत्रता की ओर ले जाने वाले थे.

अफसोस की बात है कि कुछ गुलाम मालिकों को इसके बारे में पता चल गया. एक सशस्त्र पुलिस स्टीमर ने ड्रेटन के जहाज का पीछा किया.

डैनियल ड्रेटन "पर्ल" नाम की नाव के कप्तान थे. उस नाव पर अप्रैल 1848 में 76 दासों ने वाशिंगटन, डी.सी. से भागने का प्रयास किया था. उन पर मुकदमा चलाया गया और अंततः उन्हें भगाने में सहायता करने के लिए दोषी ठहराया गया.





1815 के आस-पास, हथकड़ी और बेड़ियों में जकड़े गुलाम युनाइटेड स्टेट्स कैपिटल से गुजरते हुए. दास और दासों की नीलामी वाशिंगटन, डी.सी. में दैनिक जीवन का एक हिस्सा थी.



नीलामियों में दासों को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जाता था, जबकि दास खरीदार, उन पर बोलियाँ लगाते थे. यह एक अपमानजनक अनुभव था जो अक्सर दासों के अपने परिवार से अलग होने पर समाप्त हो जाता था.

डैनियल ड्रेटन और दूसरे जहाज के कप्तान पर 10,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया था. ऐसा ही कभी-कभी गुलाम पलायन के दौरान अन्य भूमिगत रेलकर्मियों के साथ भी होता था.

आप क्या करते?

क्या आप भूमिगत रेलमार्ग पर अपने कार्यों के लिए कानूनी जुर्माने चुकाने को तैयार होते?

या...

क्या आप भूमिगत रेलमार्ग के लिए अपनी गतिविधियों को केवल सिस्टम के खिलाफ बोलने तक ही सीमित रखते?

असल में क्या हुआ.....

भूमिगत रेलमार्ग का समर्थन करना

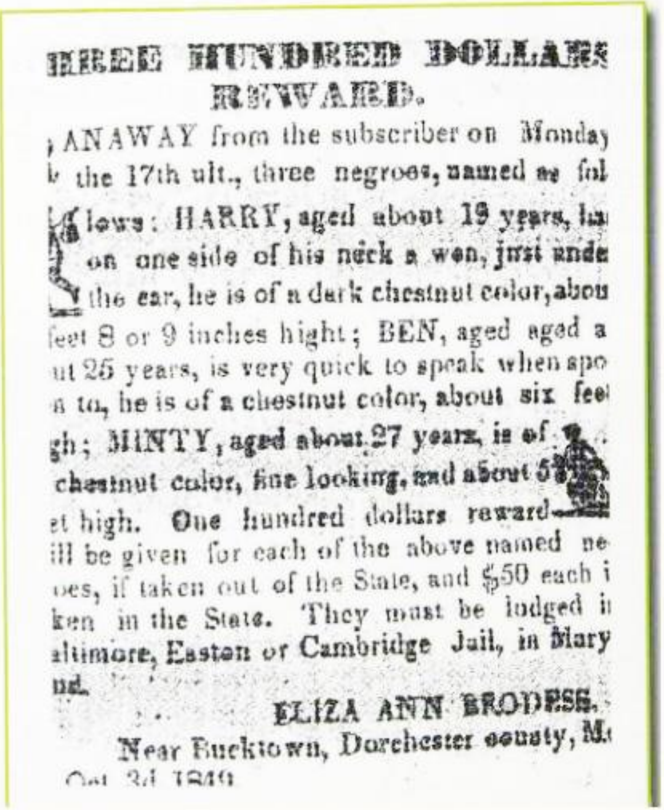
कभी-कभी, पूरा शहर भूमिगत रेलमार्ग की रक्षा के लिए खड़ा हो जाता था और उनके समर्थन में बोलता था. ऐसा एक बार एटिका, न्यूयॉर्क में हुआ था. दो गुलाम पकड़ने वाले शहर में पहुंचे. वे स्टैटी नाम की एक भगोड़ी दासी और उसकी बेटी को पकड़ने के लिए वहाँ आए थे.

दास पकड़ने वालों ने पोस्टमॉस्टर से दासों के बारे में पूछा. पोस्टमास्टर ने उन्हें बताया कि भगोड़े गुलाम शहर में थे. उन्हें अंडरग्राउंड रेलमार्ग द्वारा वहां लाया गया था.

पोस्टमास्टर ने यह भी कहा कि अगर उन्होंने दासों की उस जोड़ी को पकड़ने की कोशिश की, तो शहर का हर पुरुष, महिला और बच्चा उन्हें रोकेगा ओर पीटेगा. पोस्टमास्टर ने गुलाम पकड़ने वालों को जल्द से जल्द शहर छोड़ने को कहा. पोस्टमास्टर को लगा कि वे शहर में बीस मिनट से अधिक समय तक सुरक्षित नहीं रह पाएंगे.



जब भी कोई गुलाम भागता था, तो गुलाम पकड़ने वाले अक्सर उसके पीछे लग जाते थे.



HREE HUNDRED DOLLARS
REWARD.
ANAWAY from the subscriber on Monday
the 17th ult., three negroes, named as fol
lows: HARRY, aged about 19 years, has
on one side of his neck a wen, just unde
the ear, he is of a dark chestnut color, abou
feet 8 or 9 inches hight; BEN, aged aged a
ut 25 years, is very quick to speak when spo
n to, he is of a chestnut color, about six fee
gh; MINTY, aged about 27 years, is of a
chestnut color, fine looking, and about 5
et high. One hundred dollars reward
ill be given for each of the above named ne
oes, if taken out of the State, and $50 each i
ken in the State. They must be lodged i
altimore, Easton or Cambridge Jail, in Mary
nd.
ELIZA ANN BRODESS.
Near Bucktown, Dorchester county, M
Oct. 3d 1849

भगोड़े दासों को पकड़वाने के लिए और लोगों को लुभाने के लिए अक्सर पुरस्कार देने वाले पोस्टर चिपकाए जाते थे. यह हेरिएट टबमैन के लिए लगाया पोस्टर है जो उस समय "मिन्टी" के नाम से जानी जाती थीं.

दास पकड़ने वालों ने शीघ्र ही सच्चाई देख ली. गली में पहले से ही काफी भीड़ जमा थी. कुछ के पास हथियार थे. अन्य लोग गुलाम पकड़ने वालों को, शहर छोड़कर जाने के लिए चिल्ला रहे थे. फिर गुलाम पकड़ने वाले अपने घोड़ों पर सवार हुए और तेजी से शहर से बाहर निकल गए. उनके जाते ही भीड़ जोर-जोर से जय-जयकार करने लगी.

आप क्या करते?

क्या आप गुलामों को पकड़ने वालों का सामना करते और उन्हें ललकारते?

या...

क्या आप घर पर सुरक्षित रहते?

असल में क्या हुआ.....

एक महत्वपूर्ण याद

वर्षों से, कई लोगों ने भूमिगत रेलमार्ग की मदद की. वो दासों की स्वतंत्रता का एक महत्वपूर्ण मार्ग था. फिर भी वो उससे कुछ और अधिक था.

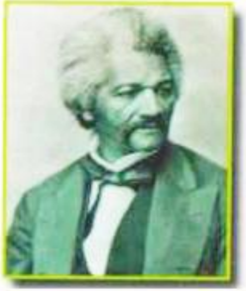
उस कठिन समय के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका को बुरी तरह से अंडरग्राउंड रेलमार्ग की ज़रूरत थी. वो स्वतंत्रता का एक महान प्रतीक था. उसे सफल बनाने के लिए अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों ने मिलकर काम किया. उन्होंने दिखाया कि साहस और कड़ी मेहनत से महत्वपूर्ण बदलाव लाये जा सकते थे.

अंत में, भूमिगत रेलमार्ग का धीरे-धीरे अंत हो गया.





लेवी कॉफिन और कैथरीन कॉफिन



फ्रेडरिक डगलस



डेनियल ड्रेटन



हेरिएट टबमैन



एलिजा लवजॉय

इन सभी लोगों ने अपने जीवन या मृत्यु का निर्णय लिया था. क्या आप वैसा करते?

1865 में जब उत्तर ने गृह युद्ध जीता, तो फिर दासता पर प्रतिबंध लगा दिया गया. फिर भूमिगत रेलमार्ग की आवश्यकता ही नहीं रही.

फिर भी अंडरग्राउंड रेलरोड की याद बनी रही. वो पूरे राष्ट्र के लिए एक महत्वपूर्ण याद है. उसने हमें दिखाया कि अंधेरे समय में भी अच्छाई मौजूद हो सकती है.

समयरेखा

1600 से 1800 के दशक के मध्य तक—संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में दासता वैध थी.

1793—भगोड़ा दास अधिनियम 1793 पारित किया गया. इस अधिनियम ने भगोड़े दासों की मदद करना अवैध बनाया.

1820—इस वर्ष के आसपास, हेरिएट टूबमैन का जन्म हुआ. वो सबसे प्रसिद्ध अंडरग्राउंड रेलरोड कंडक्टरों में से एक बन गईं.

1826 — लेवी कॉफिन और उनकी पत्नी इंडियाना चले गए. वे इस समय भूमिगत रेलमार्ग पर काफी सक्रिय हुए. लेवी कॉफ़िन को बाद में अंडरग्राउंड रेलरोड के अध्यक्ष के रूप में जाना जाने लगा.

1837 — एलिजा लवजॉय का चौथा प्रिंटिंग प्रेस आया. उस पर एक भीड़ ने हमला किया जिसमें लवजॉय मारा गया.

1847 — जहाज के कप्तान डेनियल ड्रेटन ने बड़े पैमाने पर गुलामों का पलायन शुरू किया जो विफल हो गया.

1850—भगोड़ा दास अधिनियम 1850 पारित किया गया. यह पहले के भगोड़े दास अधिनियम से अधिक सख्त था.

1854 — लेवी कॉफिन एक बैठक के लिए कनाडा गए. सैकड़ों पूर्व भूमिगत रेल यात्री उनका अभिवादन करने और धन्यवाद देने के लिए आए.

1865 — उत्तर ने गृहयुद्ध जीता. फिर भूमिगत रेलमार्ग की आवश्यकता को समाप्त करते हुए दासता पर प्रतिबंध लगा दिया गया.